Under CSR Support by Ipca Foundation missiongyan

अध्याय - 4 | ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन QUIZ-01

1. **भारत के ग्रामीण समाज में सबसे महत्वपूर्ण उत्पादन संसाधन क्या है?**
A. जल B. सड़कें
C. भूमि D. श्रम (C)
व्याख्या: भूमि न केवल उत्पादन का साधन है, बल्कि आजीविका और सांस्कृतिक पहचान का भी मुख्य आधार है।

2. **'प्रभावशाली जातियाँ' शब्द किसने गढ़ा था?**
A. रामचंद्र गुहा B. जान ब्रेमन
C. एम. एन. श्रीनिवास D. बी. आर. अंबेडकर (C)
व्याख्या: एम. एन. श्रीनिवास ने उन जातियों को 'प्रभावशाली जातियाँ' कहा जो ग्रामीण समाज में आर्थिक और राजनीतिक रूप से शक्तिशाली हैं।

3. **स्वतंत्रता के बाद सबसे प्रभावी भूमि सुधार कौन-सा था?**
A. हरित क्रांति B. सीलिंग अधिनियम
C. जमींदारी उन्मूलन
D. नकदी फसलों का नियमन (C)
व्याख्या: जमींदारी उन्मूलन ने बिचौलियों को हटाकर किसानों को सीधा अधिकार दिया, जिससे उनका सशक्तिकरण हुआ।

4. **'गुज़ारे की खेती' (Subsistence Agriculture) का क्या अर्थ है?**
A. बाजार के लिए खेती
B. केवल पारिवारिक उपयोग हेतु खेती
C. मशीनों से की जाने वाली खेती
D. अनुबंध खेती (B)
व्याख्या: जब किसान केवल परिवार की जरुरतों के लिए फसल उगाते हैं और बाजार के लिए नहीं, तो उसे गुज़ारे की खेती कहते हैं।

5. **हरित क्रांति के किस चरण में मोनो-फसल खेती और असुरक्षित आजीविका बढ़ी?**
A. पहला चरण (1960–70)
B. तीसरा चरण (1990 के बाद)
C. दूसरा चरण (1980 के बाद)
D. स्वतंत्रता पूर्व काल (C)
व्याख्या: दूसरे चरण में सूखे क्षेत्रों में सिंचाई आधारित मोनो-फसल खेती ने बाजार पर निर्भरता और जोखिम बढ़ाया।

6. **अनुबंध खेती का एक प्रमुख नकारात्मक प्रभाव क्या है?**
A. खाद्य आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना
B. बाजार जोखिम को कम करना
C. पारंपरिक कृषि ज्ञान को अप्रासंगिक बनाना
D. जैव विविधता में वृद्धि (C)
व्याख्या: अनुबंध खेती में कंपनियाँ कृषि ज्ञान को नियंत्रित करती हैं जिससे किसानों का पारंपरिक ज्ञान कम होता जाता है।

7. **'फुटलूज़ मज़दूर' किसे कहा गया है?**
A. स्वतंत्र छोटे ज़मींदार
B. मुक्त व्यापार क्षेत्र के श्रमिक
C. अधिकारहीन प्रवासी मज़दूर
D. तकनीकी जानकार किसान (C)
व्याख्या: जान ब्रेमन ने उन प्रवासी मजदूरों के लिए 'फुटलूज़' शब्द का प्रयोग किया जो अस्थिर रोजगार में होते हैं और न्यूनतम अधिकार भी नहीं रखते।

8. **भारत में किन जातियों के पास सामान्यतः बहुत कम या कोई भूमि नहीं होती?**
A. जाट और राजपूत
B. अनुसूचित जाति और जनजाति
C. वोक्कालिगा और लिंगायत
D. कम्मा और रेड्डी (B)
व्याख्या: ऐतिहासिक रूप से अनुसूचित जातियों और जनजातियों को भूमि अधिकार से वंचित रखा गया और वे मजदूरी कार्य में संलग्न थे।

9. **पूंजीवादी कृषि की एक विशेषता क्या है?**
A. अनाज में मजदूरी देना B. आश्रित-क्लाइंट संबंध
C. पैतृक श्रम संबंध
D. भूमि से अलग वेतनभोगी मजदूरी का उपयोग (D)
व्याख्या: पूंजीवादी कृषि में श्रमिकों को ज़मीन से अलग किया जाता है और भुगतान के आधार पर श्रम लिया जाता है।

10. **नवउदारीकरण के बाद किसान आत्महत्याओं का मुख्य कारण क्या था?**
A. पर्याप्त वर्षा B. भूमि स्वामित्व में वृद्धि
C. ऋण और बाज़ार अस्थिरता
D. कृषि पर राज्य का पूर्ण नियंत्रण (C)
व्याख्या: आत्महत्याओं के पीछे कारण थे—ऋण, लागत में वृद्धि, सब्सिडी में कटौती, और बाजार की अनिश्चितता।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जो चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App